>

Title: Regarding discontinuance of rail car services on Kalka-Shimla railway route.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि 6 नवम्बर, 1903 में कालका-शिमला रेल मार्ग तैयार हुआ, तब से उस पर रेल सेवाएं चल रही हैं। इस 108 वर्ष पुराने तथा 96 किलोमीटर नैरो गेज कालका-शिमला रेल मार्ग को वर्ष 2008 में यूनेस्को टीम द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया था। इस मार्ग पर ब्रिटिश काल की दुर्लभ ऐतिहासिक लग्जरी रेल कारें चल रही थीं, किन्तु अब केवल चार ही ऐसी रेल कारें बची हैं, जिनमें से दो पहले ही बंद की जा चुकी हैं तथा दो में एक के पहिये घिसने के कारण उसे भी बंद करने की प्रबल संभावना बनी हुई है। इस प्रकार कल-पुर्जों के अभाव में धीरे-धीरे सभी रेल कारें बंद हो जाएंगी।

महोदय, कालका-शिमला रेल मार्ग विश्व धरोहर का हिस्सा है। उस पर प्राचीन एवं दुर्लभ रेल कारें चलना देशी व विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही हैं। लेकिन रेल प्रशासन द्वारा समय पर कल-पुर्जों की व्यवस्था नहीं करने के कारण ये रेल कारें बंद होती जा रही हैं जिससे पर्यटन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है एवं रेलवे को भी लाखों रूपये की क्षति पहुंच रही है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से निवेदन है कि इस मार्ग पर विलुप्त होती रेल कारों को पुनः पूर्व की भांति चलाने हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा पहियों का निर्माण देश में कराया जाए और यदि यह संभव नहीं हो तो विदेशों में जहां ये पहिए उपलब्ध हों वहां से बल्क क्वांटिटी में मंगाए जाएं ताकि रेल कारें उक्त मार्ग पर चलती रहें और देशी तथा विदेशी पर्यटक आकर्षित होते रहें और रेलवे को क्षति नहीं उठानी पड़े।